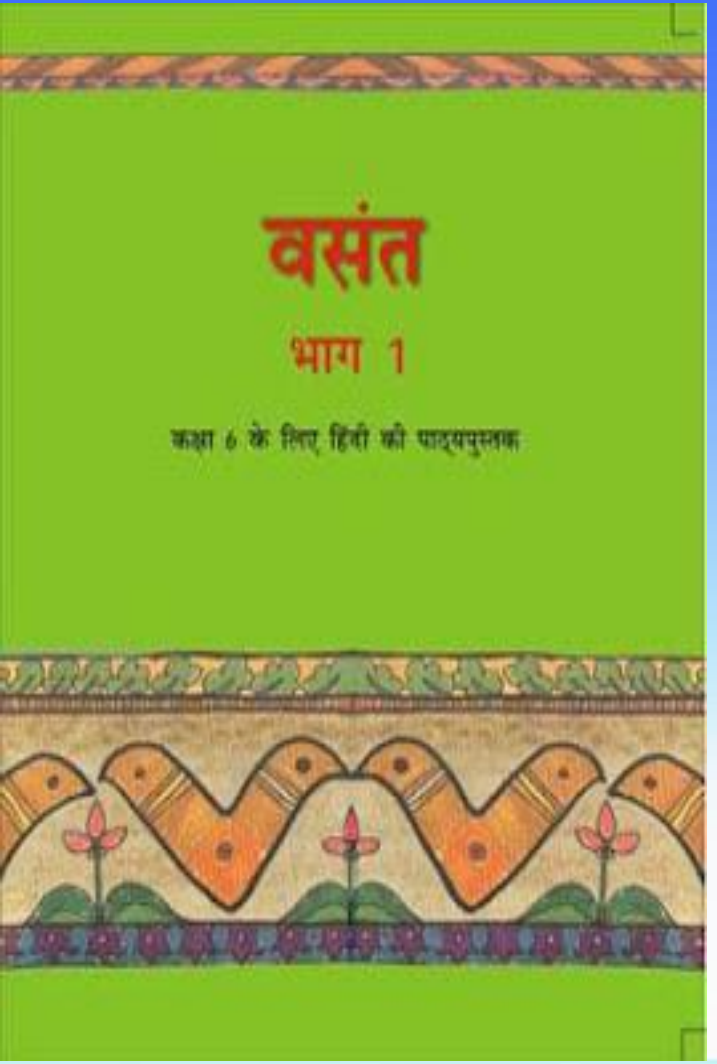

कक्षा- 6

विषय- हिन्दी

कविता- 1 वो चिड़िया जो

अभ्यास

- कविता का सस्वर वाचन करेंगे।
- कविता का भावार्थ समझेंगे।
- कविता से पक्षियों के बारे में सीखेंगे।
- कविता में चिडिया के खान-पान और रूची के बारे में जानेगे।

केदारनाथ अग्रवाल का जीवन परिचय: यह कविता हिन्दी साहित्य के प्रसिद्ध कवि और साहित्यकार श्री केदानाथ अग्रवाल के द्वारा रचित है। श्री केदानाथ अग्रवाल प्रगतिशील काव्य धारा के प्रमुख कवि जाने जाते हैं। इनका जन्म उत्तरप्रदेश के कमासिन गाँव में एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा गाँव के प्राकृतिक वातावरण में होने के कारण उनकी कविताओं में प्रकृति का चित्रण अवश्य मिलता है। केदारनाथ जी के पिता स्वयं भी एक कवि थे, इसी कारण बचपन से ही उनकी रुचि लेखन तथा काव्य रचना में होने लगी थी। बचपन से ही ग्रामीण परिवेश में रहने के कारण प्रकृति के प्रति उनके मन में बहुत प्रेम तथा लगाव था।

कविता का सार

वह चिड़िया जो-
चोंच मार कर
दूध-भरे जुंडी के दाने
रुचि से, रस से खा लेती है
वह छोटी संतोषी चिड़िया
नीले पंखोंवाली मैं हूं
मुझे अन्न से बहुत प्यार है।

वह चिड़िया जो कविता का अर्थ: प्रथम पद में लेखक एक नीले पंखों वाली छोटी चिड़िया का उल्लेख करते हुए बता रहे हैं कि यह चिड़िया बहुत ही संतोषी है तथा उसे अन्न से बहुत प्यार है। वह दूध से भरे ज्वार के दानों को बहुत ही रुचि से और रस लेकर खाती है, अर्थात कवि इस पद के माध्यम से स्वयं के संतोषी होने तथा अन्न के महत्व के बारे में बता रहे हैं।

वह चिड़िया जो-
कंठ खोलकर
बूढ़े वन-बाबा की ख़ातिर
रस उंडेल कर गा लेती है
वह छोटी मुंह बोली चिड़िया
नीले पंखोंवाली मैं हूं
मुझे विजन से बहुत प्यार है।

वह चिड़िया जो कविता का अर्थ: द्वितीय पद में लेखक बता रहे हैं कि इस नन्ही चिड़िया को उस वन से भी बहुत प्यार है जिसमें वह रहती है तथा अपने बूढ़े वन बाबा और उसके वृक्षों के लिए वह अपने मीठे कंठ से मधुर और सुरीला गीत गाती है। उसे एकांत में रहना पसंद है तथा वह प्रकृति के साथ इस गीत का अकेले में आनंद लेना चाहती है।

वह चिड़िया जो-
चोंच मार कर
चढ़ी नदी का दिल टटोल कर
जल का मोती ले जाती है
वह छोटी ग़रबीली चिड़िया
नीले पंखोंवाली मैं हूं
मुझे नदी से बहुत प्यार है।

वह चिड़िया जो कविता का अर्थ: अंतिम पद में कवि कहना चाहते हैं कि यह नीले पंखों वाली छोटी सी चिड़िया अत्यंत साहसी और गर्व से भरी हुई है क्योंकि यह चिड़िया छोटी होने के बाद भी उफनती हुई नदी के ऊपर से जल रूपी मोती ले आती है अर्थात जल से अपनी प्यास बुझा लेती है और नदी से और उसके जल से भी बहुत प्यार करती है।

लेखन-बोध

- शब्दार्थ शब्द
- अतिलघ प्रश्न-उत्तर
- लघु प्रश्नो के उत्तर
- दीर्घ प्रश्नो के उत्तर

शब्दार्थ

1- दूध भरे- कच्चे, अधपके, मीठे
2- जुंडो- जवार

3- रुची से- खुशी से
4- विजन- निर्जन स्थान, एकांत
5- मुँह बोली- प्यारी
6- जल का मोती- पानी की बूद
7-गरबीली- स्वाभिमानी

अतिलघ प्रश्न के उत्तर लिखिए।

1- चिड़िया को किससे प्यार है?
उ- चिड़िया को विजन से प्यार है।
2- चिड़िया के पंख कैसे है?
उ- चिड़िया के पंख नीले है।
3- चिड़िया रुचि से क्या खाती है?
उ- चिड़िया रुचि से दूध भरे जुंडी के दाने खाती है।
4- चिड़िया किसके के लिए गाती है?
उ- चिड़िया बूढ़ वन बाबा के लिए गाती है।
5- चिड़िया जल का मोती कैसे लाती है?
उ- चिड़िया जल का मोती चोंच से लाती है।

लघ प्रश्न-उत्तर लिखिए।

1- चिड़िया को गरबीली क्यो कहा गया है?
उ- कविता में चिड़िया को गरबीली चिड़िया इसलिए कहा गया है क्योंकि वह उफनती नदी से भी पानी की बूँद अपनी चोंच में भर कर ले जाती है।

2- चिड़िया खाने में क्या पंसद करती है?
उ- चिड़िया खाने में दूध भरे ज्वार के दाने पसंद करती है।

3- कविता में कैसी चिड़िया का वर्णन है?
उ-कविता में नीले पंखोंवाली एक छोटी चिड़िया का वर्णन है। वह संतोषी है, अन्न से बहुत प्यार करती है, वह एकांत में भी उमंग से रहती है। उसे स्वंय पर गर्व है। वह साहसी है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1- इस कविता के आधार पे बताओ कि चिड़िया को किन-किन चीजो से प्यार है?
उ- चिड़िया को खेतो में लगे जौ-बाजरे की फ़लियो से प्यार है। उसे जंगल में मिले एकांत, जहा वह खुली हवा में गाना गा सकती है। उसे नदी से प्यार है जिस का ठंडा और-मीठा पानी वह पीती है। यह चीजे उसे आज़ादी का एहसास दिलाती है। इसलिए वह इन सबसे प्यार करती है।

2- कवि ने चिड़िया को छोटो, संतोषो, मुँहबोली ओर गरबीली चिड़िया क्यो कहा है?
उ- चिड़िया छोट आकार की थो ओर किसी भी बात को बोलने से नही झिझकती है इसलिए कवि ने उसे छोटो और मुँहबोली कहा है। वह संतोषो स्वभाव की है। अतः कवि उसे - संतोषो कहता है। चिड़ियाँ को अपने कार्यो पर गर्व है क्योंकि वह नदी के बीच से पानी पीने जैसा कठिन कार्य सफ़लता पूर्वक कर जाती है। यही कारण है कि कवि ने चिड़िया को गरबीली कहा है।

व्याकरण-भाषा

भाषा के रूप

मौखिक भाषा

लिखित भाषा

भाषा के दो रूप हैं

मौखिक

जिस भाषा को मुख से बोला तथा कानों से सुना जाता है, उसे मौखिक भाषा कहते हैं।

लिखित

लिखकर अपनी बात प्रकट करना तथा लिखा हुआ पढ़कर दूसरे की बात समझना लिखित भाषा कहलाती है।

भाषा के चार प्रमुख अंग

लेखन्-विभाग
पत्र-लेखन

बहन की शादी के लिए प्रधानाचार्य को एक सप्ताह की छुट्टी हेतू प्रार्थना-पत्र।

सेवा में,
प्रधानाचार्य
आर0एन0 हाई स्कूल,
मुजफ्फरनगर।

मान्यवर,

ससम्मान आपकी जानकारी में लाना चाहता हूँ कि मेरे बड़े भाई का विवाह 20 सितम्बर, – को होना तय पाया गया है। इन स्थितियों में सात दिनों तक विवाह कार्य में व्यस्त होने के कारण विघालय आने में असमर्थ रहूँगा।

सादर निवेदन है कि मेरी एक सप्ताह की छुट्टी स्वीकार करने की कृपा करें।

आपका आज्ञाकारी,
अंकिता शाह
कक्षा-8-डी
दिनाक-11-4-20

गतिविधि- चिड़िया का चित्र बनाकर उसमे रंग भरो।

धन्यवाद